B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)
BA (Hons) Part-II पेपर-IV
Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of Pol-Sci
Date 22.7.20

स्विट्जरलैण्ड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की सफलता के कारण

(1) देश का छोटा आकार → देश का छोटा आकार स्विट्जरलैण्ड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की सफलता का सबसे बड़ा कारण है। बड़े राज्यों में प्रत्यक्ष लोकतंत्र के उपकरण सफलतापूर्वक काम नहीं कर सकते। छोटा आकार होने के कारण जनमत संग्रह या स्थानीय सभाओं की बैठकों में नागरिकों द्वारा भाग लेना संभव हो पाता है।

(2) नागरिकों का चरित्र → स्विट्जरलैण्ड के नागरिकों का चरित्र लोकतंत्र के अनुकूल है। अधिकांश लोग पढ़े-लिखे होते हुए सीधे-सादे है। उनमें कर्तव्यनिष्ठा, देशभक्ति तथा राजनीतिक चेतना पाई जाती है। वे व्यवहारकुशल भी होते है। वे अनावश्यक रूप से शासन-संचालन में अवरोध उत्पन्न नहीं करना चाहते।

(3) पेशेवर राजनीतिज्ञों का अभाव → पेशेवर राजनीतिज्ञों के कारण लोकतंत्र दूषित हो जाता है। वे राजनीति को अपने हित में तोड़ते-मरोड़ते रहते है। स्विट्जरलैण्ड में पेशेवर राजनीतिज्ञों का अभाव पाया जाता है। वहाँ यदि पेशेवर राजनीतिज्ञ है भी तो उनकी संख्या बहुत कम है। इसलिए वहाँ प्रत्यक्ष लोकतंत्र के कार्यसंचालन में कठिनाई नहीं होती है।

4) राजनीति के प्रति गंभीर दृष्टिकोण → स्विस नागरिकों का राजनीति के प्रति गंभीर दृष्टिकोण होता है। जिस प्रकार भारत या एशिया के कुछ अन्य देशों में सड़कों, बाजारों और गलियों में राजनीतिक सिद्धांतों की बातें की जाती है। उस तरह की स्थिति स्विट्जरलैण्ड में नहीं है। स्विट्जरलैण्ड में आमलोग राजनीति को गंभीरतापूर्वक लेते है जिसके कारण वहाँ प्रत्यक्ष लोकतंत्र के कार्यसंचालन में कोई कठिनाई नहीं होती।

(5) सामाजिक एवं आर्थिक समानता → स्विट्जरलैण्ड में सामाजिक और आर्थिक स्तर पर लोगों में बहुत बड़ी सीमा तक समानता पाई जाती है वहाँ न तो साम्यवादी देशों की तरह लोगों में अधिकतम आर्थिक समानता है और न ही अमेरिका या ब्रिटेन जैसे पूँजीवादी देशों की तरह आर्थिक असमानता की खाई काफी चौड़ी है। वहाँ न तो साम्यवादी व्यवस्था है और न अति पूँजीवादी व्यवस्था। वहाँ मिश्रित व्यवस्था है इसलिए वहाँ प्रत्यक्ष लोकतंत्र को सहज ढंग से सफलता मिल सकी है।